# मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर

## स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम

## विषय - संस्कृत

## (2019-2020)

## सेमेस्टर प्रणाली

| Course No. | Course Code | Title of the Course | L-T-P | No. of Credits | Max. Marks | | Total Marks |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | | Uni Exm | Int.Ass. | |
| **SEM I** | | | | | | | |
| 01 | M1 SAN 01 CT01 | वैदिक साहित्य | 3-1-0 | 4 | 80 | 20 | 100 |
| 02 | M1 SAN 02 CT02 | सांख्य दर्शन | 3-1-0 | 4 | 80 | 20 | 100 |
| 03 | M1 SAN 03 CT03 | वेदान्त दर्शन | 3-1-0 | 4 | 80 | 20 | 100 |
| 04 | M1 SAN 04 CT04 | नाटक एवं नाट्यशास्त्र | 3-1-0 | 4 | 80 | 20 | 100 |
| 05 | M1 SAN 05 CT05 | व्याकरण एवं अनुवाद | 3-1-0 | 4 | 80 | 20 | 100 |
| 06 | M1 SAN 06 CT06 | संस्कृत शास्त्रों का इतिहास, संस्कृति एवं निबन्ध | 3-1-0 | 4 | 80 | 20 | 100 |
| **SEM II** | | | | | | | |
| 01 | M2 SAN 01 CT01 | उपनिषद् साहित्य | 3-1-0 | 4 | 80 | 20 | 100 |
| 02 | M2 SAN 02 CT02 | न्याय दर्शन | 3-1-0 | 4 | 80 | 20 | 100 |
| 03 | M2 SAN 03 CT03 | काव्य एवं साहित्य शास्त्र | 3-1-0 | 4 | 80 | 20 | 100 |
| 04 | M2 SAN 04 CT04 | साहित्यशास्त्र के आचार्य एवं सिद्धान्त | 3-1-0 | 4 | 80 | 20 | 100 |
| 05 | M2 SAN 05 CT05 | भाषा विज्ञान, व्याकरण एवं अनुवाद | 3-1-0 | 4 | 80 | 20 | 100 |
| 06 | M2 SAN 06 CT06 | आर्ष काव्य एवं स्मृति | 3-1-0 | 4 | 80 | 20 | 100 |
| 07 | M2 SAN 07 AU01 (A) | प्राचीन संस्कृत साहित्य | 2-0-0 | 2 | 80 | 20 | 100 |
| | M2 SAN 07 AU01 (**B**) | | 2-0-0 | 2 | 80 | 20 | 100 |
| **SEM III** | | | | | | | |
| 01 | M3 SAN 01 CT01 | गद्य, काव्य एवं पुराण | 3-1-0 | 4 | 80 | 20 | 100 |
| 02 | M3 SAN 02 CT02 | संस्कृत कवि | 3-1-0 | 4 | 80 | 20 | 100 |
| 03 A | M3 SAN 03 EP 03 (A) | काव्य शास्त्र | 3-1-0 | 4 | 80 | 20 | 100 |
| 03 B | M3 SAN 03 EP 03 (B) | वेदान्त दर्शन | 3-1-0 | 4 | 80 | 20 | 100 |
| 04 A | M3 SAN 04 EP 04 (A) | साहित्य शास्त्र | 3-1-0 | 4 | 80 | 20 | 100 |
| 04 B | M3 SAN 04 EP 04 (B) | सांख्य दर्शन | 3-1-0 | 4 | 80 | 20 | 100 |
| 05 A | M3 SAN 05 EP 05 (A) | संस्कृत नाटक | 3-1-0 | 4 | 80 | 20 | 100 |
| 05 B | M3 SAN 05 EP 05 (B) | न्याय-वैशेषिक दर्शन | 3-1-0 | 4 | 80 | 20 | 100 |
| 06 A | M3 SAN 06 EP 06 (A) | विशेष अध्ययन- कालिदास (खंडकाव्य एवं नाटक ) | 3-1-0 | 4 | 80 | 20 | 100 |
| 06 B | M3 SAN 06 EP 06 (B) | वेदान्त दर्शन के प्रमुख आचार्य | 3-1-0 | 4 | 80 | 20 | 100 |
| **SEM IV** | | | | | | | |
| 01 | M4 SAN 01 CT01 | काव्य (गद्य, पद्य और निबन्ध) | 3-1-0 | 4 | 80 | 20 | 100 |
| 02 | M4 SAN 02 CT02 | चार्वाक, बौद्ध एवं जैन दर्शन | 3-1-0 | 4 | 80 | 20 | 100 |
| 03 A | M4 SAN 03 EP 03 (A) | साहित्य शास्त्र | 3-1-0 | 4 | 80 | 20 | 100 |
| 03 B | M4 SAN 03 EP 03 (B) | मीमांसा दर्शन | 3-1-0 | 4 | 80 | 20 | 100 |
| 04 A | M4 SAN 04 EP 04 (A) | नाटक एवं काव्य | 3-1-0 | 4 | 80 | 20 | 100 |
| 04 B | M4 SAN 04 EP 04 (B) | योग दर्शन | 3-1-0 | 4 | 80 | 20 | 100 |
| 05 A | M4 SAN 05 EP 05 (A) | नाट्यशास्त्र | 3-1-0 | 4 | 80 | 20 | 100 |
| 05 B | M4 SAN 05 EP 05 (B) | न्याय वैशेषिक दर्शन | 3-1-0 | 4 | 80 | 20 | 100 |
| 06 A | M4 SAN 06 EP 06 (A) | विशेष अध्ययन – कालिदास (महाकाव्य) | 3-1-0 | 4 | 80 | 20 | 100 |
| 06 B | M4 SAN 06 EP 06 (B) | विशेष अध्ययन – शंकर | 3-1-0 | 4 | 80 | 20 | 100 |
| 07 | M4 SAN 07 AU02 (A) | प्राचीन भारतीय संस्कृति एवं श्रीमद्भगवद्गीता | 2-0-0 | 2 | 80 | 20 | 100 |
| | M4 SAN 07 AU02 (B) | | 2-0-0 | 2 | 80 | 20 | 100 |

## एम.ए. सेमेस्टर I ( संस्कृत ) 2019-2020

## प्रश्न पत्र कूट संख्या M1 SAN 01 CT01

## प्रश्न-पत्र - I वैदिक साहित्य

**उद्देश्य**

वैदिक साहित्य के इतिहासज्ञानसहित कतिपय संहिता सूक्तों के अध्ययन में निपुणता |

**पाठ्यक्रम** **80 अंक**

1. ऋग्वैदिक एवं अथर्ववेदीय सूक्त (कुछ चुने हुए सूक्त मात्र)
2. निरुक्त (प्रथम अध्याय मात्र)
3. वैदिक साहित्य का सामान्य इतिहास
4. संहिता पाठ से पद पाठ

सम्पूर्ण पाठ्यक्रम तीन खण्ड तथा पाँच इकाइयों में विभक्त किया गया है । विस्तृत विवरण निम्नलिखित है -

खण्ड-अ 20 अंक

इस खंड के अंतर्गत विकल्परहित अतिलघुत्तरात्मक कुल दस प्रश्न पूछे जाएँगे। जो सभी इकाइयों से समान रूप से सम्बद्ध होंगे। किसी एक प्रश्न का उत्तर संस्कृत माध्यम में देना अनिवार्य है।

खण्ड-ब 40 अंक

इस खंड के अन्तर्गत कुल दस प्रश्न अथवा व्याख्याएँ पूछी जाएँगी। इनमें से प्रत्येक इकाई से एक - कुल 05 प्रश्नों के उत्तर लगभग **250** शब्दों में समाधेय हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए **8** अंक निर्धारित हैं। किसी एक प्रश्न का उत्तर संस्कृत माध्यम में देना अनिवार्य है।

खण्ड-स 20 अंक

इस खंड के अन्तर्गत कुल पांच निबंधात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे। इनमें से किन्ही दो का उत्तर लगभग **300** शब्दों में देना होगा। प्रत्येक के लिए **10** अंक निर्धारित है।

पाठ्यक्रम की इकाइयाँ

प्रथम इकाई - ऋग्वेद एवं अथर्ववेदीय संहिताओं के निम्नलिखित सूक्त- अग्नि (1/1), रुद्र (2/33), अथर्ववेदीय पृथ्वी (12/1), पुरुष (10/90), सवितृ (1/35)

द्वितीय इकाई - ऋग्वेद संहिता के निम्नलिखित सूक्त- नासदीय (10/129), उषस् (1/48), वरुण (7/86), सोम (8/48), शुक्ल यजुर्वेदीय शिवसंकल्प (अध्याय-34)(1-6)

तृतीय इकाई - निरूक्त (यास्क) - प्रथम अध्याय
चतुर्थ इकाई - वैदिक साहित्य का सामान्य इतिहास
पंचम इकाई - संहिता पाठ से पदपाठ

सहायक पुस्तकें:-


1. ऋग्भाष्य संग्रह - डॉ. आर . चानना
2. द न्यू वैदिक सलेक्शन्स - एस.के. तैंलग एवं बी. बी. चौबे
3. वैदिक व्याकरण - ए. ए. मैक्डानल अनु. डॉ. सत्यव्रत शास्त्री
4. वैदिक व्याकरण भाग - 1,2 - डॉ. राम गोपाल
5. वैदिक साहित्य और संस्कृति - पं. बलदेव उपाध्याय
6. वैदिक साहित्य की रूपरेखा - एस. एन. पाण्डेय एवं आर. बी. जोशी
7. वैदिक देवशास्त्र - ए. ए. मेक्डालन - अनु. सूर्यकान्त
8. वैदिक साहित्य - रामगोविन्द त्रिवेदी
9. लेक्चर ऑन द ऋग्वेद - घाटे

## एम.ए. सेमेस्टर I ( संस्कृत ) 2019-2020

## प्रश्न पत्र कूट संख्या M1 SAN 01 CT02

## प्रश्न-पत्र - II सांख्य दर्शन

**उद्देश्य-** भारतीय दर्शन शास्त्र की सांख्य दर्शन परंपरा का परिचय एवं प्रमुख ग्रन्थ सांख्यकारिका का अधिगम |

**पाठ्यक्रम -** **80 अंक**

1. सांख्यकारिका ईश्वरकृष्णकृत

सम्पूर्ण पाठ्यक्रम तीन खण्ड तथा पाँच इकाइयों में विभक्त किया गया है । विस्तृत विवरण निम्नलिखित है -

खण्ड-अ 20 अंक

इस खंड के अंतर्गत विकल्परहित अतिलघुत्तरात्मक कुल दस प्रश्न पूछे जाएँगे। जो सभी इकाइयों से समान रूप से सम्बद्ध होंगे। किसी एक प्रश्न का उत्तर संस्कृत माध्यम में देना अनिवार्य है।

खण्ड-ब 40 अंक

इस खंड के अन्तर्गत कुल दस प्रश्न अथवा व्याख्याएँ पूछी जाएँगी। इनमें से प्रत्येक इकाई से एक - कुल 05 प्रश्नों के उत्तर लगभग **250** शब्दों में समाधेय हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए **8** अंक निर्धारित हैं। किसी एक प्रश्न का उत्तर संस्कृत माध्यम में देना अनिवार्य है।

खण्ड-स 20 अंक

इस खंड के अन्तर्गत कुल पांच निबंधात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे। इनमें से किन्ही दो का उत्तर लगभग **300** शब्दों में देना होगा। प्रत्येक के लिए **10** अंक निर्धारित है।

पाठ्यक्रम की इकाइयाँ

प्रथम इकाई - सांख्यकारिका की 1 से 16 कारिकाएँ
द्वितीय इकाई - सांख्यकारिका की 17 से 35 कारिकाएँ
तृतीय इकाई - सांख्यकारिका की 36 से 53 कारिकाएँ
चतुर्थ इकाई - सांख्यकारिका की 54 से 72 कारिकाएँ
पंचम इकाई - ईश्वरकृष्ण का व्यक्तित्व एवं कृतित्व तथा सांख्यदर्शन का इतिहास सामान्य परिचय, प्रतिपाद्य एवं महत्व

सहायक पुस्तकें:-

(1) सांख्यकारिका - ईश्वरकृष्ण

(2) सांख्यकारिका - व्या. डॉ. आद्याप्रसाद मिश्र

(3) सांख्यकारिका - व्या. डॉ. ब्रजमोहन चतुर्वेदी

(4) सांख्यकारिका - व्या. गजानन शास्त्री मुसलगाँवकर

(5) भारतीय दर्शन - बलदेव उपाध्याय

(6) भारतीय दर्शन - दत्ता एण्ड चटर्जी

(7) भारतीय दर्शन - डॉ. उमेश मिश्र

(8) भारतीय दर्शन - डॉ. पारसनाथ द्विवेदी

## एम.ए. सेमेस्टर I ( संस्कृत ) 2019-2020

## प्रश्न पत्र कूट संख्या M1 SAN 01 CT03

## प्रश्न-पत्र - III वेदान्त दर्शन

**उद्देश्य-** भारतीय दर्शन शास्त्र की वेदान्त दर्शन परंपरा का परिचय एवं प्रमुख ग्रन्थ वेदान्तसार का अधिगम |

**पाठ्यक्रम** **80 अंक**

(1) वेदान्तसार (सदानन्द)

सम्पूर्ण पाठ्यक्रम तीन खण्ड तथा पाँच इकाइयों में विभक्त किया गया है । विस्तृत विवरण निम्नलिखित है -

खण्ड-अ 20 अंक

इस खंड के अंतर्गत विकल्परहित अतिलघुत्तरात्मक कुल दस प्रश्न पूछे जाएँगे। जो सभी इकाइयों से समान रूप से सम्बद्ध होंगे। किसी एक प्रश्न का उत्तर संस्कृत माध्यम में देना अनिवार्य है।

खण्ड-ब 40 अंक

इस खंड के अन्तर्गत कुल दस प्रश्न अथवा व्याख्याएँ पूछी जाएँगी। इनमें से प्रत्येक इकाई से एक - कुल 05 प्रश्नों के उत्तर लगभग **250** शब्दों में समाधेय हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए **8** अंक निर्धारित हैं। किसी एक प्रश्न का उत्तर संस्कृत माध्यम में देना अनिवार्य है।

खण्ड-स 20 अंक

इस खंड के अन्तर्गत कुल पांच निबंधात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे। इनमें से किन्ही दो का उत्तर लगभग **300** शब्दों में देना होगा। प्रत्येक के लिए **10** अंक निर्धारित है।

पाठ्यक्रम की इकाइयाँ:-

प्रथम इकाई - "अखण्डं सच्चिदानन्द से सल्लक्ष्यमितिचोच्यते" तक।

द्वितीय इकाई - "अस्याज्ञानस्यावरणविक्षेपनामकं शक्तिद्वयम् से लेकर अध्यारोपः" तक।

तृतीय इकाई - "अपवादो नाम" से "स्वप्रभया तदपि भासयतीति इति" ।

चतुर्थ इकाई - "एवं भूतस्वरूपचैतन्यसाक्षात्कारपर्यन्त" से अन्त तक ।

पंचम इकाई - सदानन्द का व्यक्तित्व एवं कृतित्व तथा वेदान्त दर्शन का इतिहास तथा सामान्य परिचय एवं महत्व।

सहायक पुस्तके:-

(1) वेदान्तसार व्याख्या - डॉ. बद्रीनाथ शुक्ल

(2) वेदान्तसार व्याख्या - डॉ. सत्यनारायण श्रीवास्तव
(3) वेदान्तसार व्याख्या - डॉ. राममूर्ति शर्मा
(4) वेदान्तसार व्याख्या - डॉ. दयानन्द भार्गव

## एम.ए. सेमेस्टर I ( संस्कृत ) 2019-2020

## प्रश्न पत्र कूट संख्या M1 SAN 01 CT04

## प्रश्न-पत्र - IV - नाटक एवं नाट्य शास्त्र

**उद्देश्य-** संस्कृत की काव्यशास्त्रपरंपरा में नाट्यशास्त्र तथा नाटक साहित्य का अधिगम |

**पाठ्यक्रम** **80 अंक**

1. मृच्छकटिकम् - शूद्रक
2. नाट्यशास्त्रम् (प्रथम एवं द्वितीय अध्याय) -भरतमुनि

सम्पूर्ण पाठ्यक्रम तीन खण्ड तथा पाँच इकाइयों में विभक्त किया गया है । विस्तृत विवरण निम्नलिखित है -

खण्ड-अ 20 अंक

इस खंड के अंतर्गत विकल्परहित अतिलघुत्तरात्मक कुल दस प्रश्न पूछे जाएँगे। जो सभी इकाइयों से समान रूप से सम्बद्ध होंगे। किसी एक प्रश्न का उत्तर संस्कृत माध्यम में देना अनिवार्य है।

खण्ड-ब 40 अंक

इस खंड के अन्तर्गत कुल दस प्रश्न अथवा व्याख्याएँ पूछी जाएँगी। इनमें से प्रत्येक इकाई से एक - कुल 05 प्रश्नों के उत्तर लगभग **250** शब्दों में समाधेय हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए **8** अंक निर्धारित हैं। किसी एक प्रश्न का उत्तर संस्कृत माध्यम में देना अनिवार्य है।

खण्ड-स 20 अंक

इस खंड के अन्तर्गत कुल पांच निबंधात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे। इनमें से किन्ही दो का उत्तर लगभग **300** शब्दों में देना होगा। प्रत्येक के लिए **10** अंक निर्धारित है।

पाठ्यक्रम की इकाइयाँ -

प्रथम इकाई - मृच्छकटिकम् - प्रथम से तृतीय अंक तक ।

द्वितीय इकाई - मृच्छकटिकम् - चतुर्थ से सप्तम अंक तक।

तृतीय इकाई - मृच्छकटिकम् - अष्टम से दसम अंक तक।

चतुर्थ इकाई - नाट्यशास्त्र (अध्याय 1)

पंचम इकाई - नाट्यशास्त्र (अध्याय 2)

सहायक पुस्तकें -

(1) नाट्यशास्त्र - सम्पा. एवं व्याख्या - श्री बाबूलाल शुक्ल काशी हिन्दू वि. वि. वाराणसी

(2) भरत और भारतीय नाट्यकला - डॉ. अयोध्याप्रसाद सिंह

(3) मृच्छकटिकम् - शूद्रक

(4) संस्कृत साहित्य का इतिहास - डॉ. बलदेव उपाध्याय

## एम.ए. सेमेस्टर I (संस्कृत) 2019-2020

## प्रश्न पत्र कूट संख्या M1 SAN 01 CT05

## प्रश्न-पत्र V - व्याकरण एवं अनुवाद

**उद्देश्य-** संस्कृत की व्याकरणशास्त्रपरंपरा में लघुसिद्धान्तकौमुदी का अधिगम |

**पाठ्यक्रम -** **80 अंक**

1. लघुसिद्धान्तकौमुदी (तद्धित प्रकरण - शैषिक पर्यन्त)
2. कारक प्रकरण (सिद्धान्तकौमुदी का)
3. अनुवाद (हिन्दी से संस्कृत में)

सम्पूर्ण पाठ्यक्रम तीन खण्ड तथा पाँच इकाइयों में विभक्त किया गया है । विस्तृत विवरण निम्नलिखित है -

खण्ड-अ 20 अंक

इस खंड के अंतर्गत विकल्परहित अतिलघुत्तरात्मक कुल दस प्रश्न पूछे जाएँगे। जो सभी इकाइयों से समान रूप से सम्बद्ध होंगे। किसी एक प्रश्न का उत्तर संस्कृत माध्यम में देना अनिवार्य है।

खण्ड-ब 40 अंक

इस खंड के अन्तर्गत कुल दस प्रश्न अथवा व्याख्याएँ पूछी जाएँगी। इनमें से प्रत्येक इकाई से एक - कुल 05 प्रश्नों के उत्तर लगभग **250** शब्दों में समाधेय हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए **8** अंक निर्धारित हैं। किसी एक प्रश्न का उत्तर संस्कृत माध्यम में देना अनिवार्य है।

खण्ड-स 20 अंक

इस खंड के अन्तर्गत कुल पांच निबंधात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे। इनमें से किन्ही दो का उत्तर लगभग **300** शब्दों में देना होगा। प्रत्येक के लिए **10** अंक निर्धारित है।

पाठ्यक्रम की इकाइयाँ -

| | | |
|---|---|---|
| प्रथम इकाई | - | इसके अन्तर्गत निम्नलिखित प्रत्ययों का अध्ययन आवश्यक है - तद्धित प्रत्यय, अपत्यार्थ तद्धित प्रत्यय, रक्ताऽऽद्यर्थक तद्धित प्रत्यय। |
| द्वितीय इकाई | - | चातुरार्थिक तद्धित प्रत्यय और शैषिक तद्धित प्रत्यय |
| तृतीय इकाई | - | प्रथमा विभक्ति से चतुर्थी पर्यन्त |
| चतुर्थ इकाई | - | पंचमी विभक्ति से सप्तमी पर्यन्त |
| पंचम इकाई | - | हिन्दी से संस्कृत में अनुवाद |

सहायक पुस्तकें:-

1. कारक प्रकरण - व्याख्या श्री धरानन्द शास्त्री
2. कारक प्रबोध - डॉ. शक्ति कुमार शर्मा
3. लघुसिद्धान्त कौमुदी - व्याख्या श्री महेश सिंह कुशवाहा
4. लघुसिद्धान्त कौमुदी - श्री धरानन्द शास्त्री
5. संस्कृत व्याकरण - अर्कनाथ चैधरी
6. प्रौढ़रचनानुवादकौमुदी - कपिल देव द्विवेदी
7. वृहदनुवादचन्द्रिका - चक्रधर नौटियाल हंस
8. सिद्धान्तकौमुदी - द्वितीय भाग, पं. बालकृष्ण व्यास

## एम.ए. सेमेस्टर I (संस्कृत) 2019-2020

## प्रश्न पत्र कूट संख्या M1 SAN 01 CT06

## प्रश्न-पत्र VI - संस्कृत शास्त्रों का इतिहास, संस्कृति एवं निबन्ध

**उद्देश्य-**संस्कृत के शास्त्रीय इतिहास एवं भारतीय संस्कृति का अधिगम तथा निबंधलेखन में निपुणता |

**पाठ्यक्रम -** **80 अंक**

1. संस्कृत शास्त्रों का इतिहास
2. भारतीय संस्कृति
3. निबन्ध

सम्पूर्ण पाठ्यक्रम तीन खण्ड तथा पाँच इकाइयों में विभक्त किया गया है । विस्तृत विवरण निम्नलिखित है -

खण्ड-अ 20 अंक

इस खंड के अंतर्गत विकल्परहित अतिलघुत्तरात्मक कुल दस प्रश्न पूछे जाएँगे। जो सभी इकाइयों से समान रूप से सम्बद्ध होंगे। किसी एक प्रश्न का उत्तर संस्कृत माध्यम में देना अनिवार्य है।

खण्ड-ब 40 अंक

इस खंड के अन्तर्गत कुल दस प्रश्न अथवा व्याख्याएँ पूछी जाएँगी। इनमें से प्रत्येक इकाई से एक - कुल 05 प्रश्नों के उत्तर लगभग **250** शब्दों में समाधेय हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए **8** अंक निर्धारित हैं। किसी एक प्रश्न का उत्तर संस्कृत माध्यम में देना अनिवार्य है।

खण्ड-स 20 अंक

इस खंड के अन्तर्गत कुल पांच निबंधात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे। इनमें से किन्ही दो का उत्तर लगभग **300** शब्दों में देना होगा। प्रत्येक के लिए **10** अंक निर्धारित है।

पाठ्यक्रम की इकाइयाँ -

प्रथम इकाई - संस्कृत शास्त्रों का इतिहास - साहित्य, धर्म, दर्शन

द्वितीय इकाई - संस्कृत शास्त्रों का इतिहास - व्याकरण, अर्थ, वार्ता

तृतीय इकाई - भारतीय संस्कृति - संस्कार, आश्रम, पुरुषार्थ, यज्ञ, प्राचीन ज्ञान प्रविधि, शिक्षा केन्द्र

चतुर्थ इकाई - भारतीय संस्कृति का विकास और विस्तार- वृहत्तर भारत (दक्षिण पूर्वी एशिया तथा अन्य देशों में भारतीय संस्कृति का विस्तार)

पंचम इकाई - निबन्ध - संस्कृत भाषा साहित्य भारतीय संस्कृति पर आधारित संस्कृत निबन्ध

सहायक पुस्तके:-

1. संस्कृत शास्त्रों का इतिहास - पं. बलदेव उपाध्य
2. धर्मशास्त्र का इतिहास - पी. वी. काणे
3. संस्कृत साहित्य का इतिहास - डा. प्रीतिप्रभा गोयल
4. प्राचीन भारत की सामाजिक संस्कृति - प्रो. रामजी उपाध्याय
5. निबन्धशतकम् - डा. कपिलदेव द्विवेदी